www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–05 मई –2024

इस अंक में...

- माननीय राज्यपाल महोदय का भ्रमण P. 2
- पीजी स्टूडेंट्स कॉन्क्लेव P. 2
- आउटरीच कार्यक्रम P. 3
- नया स्वचालित मौसम स्टेशन P. 5
- नया पोल्ट्री हैचरी इकाई P. 5
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

मुझे विश्वविद्यालय ई-न्यूजलेटर के मई 2024 संस्करण को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। विगत माह कई महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय कार्यक्रमों यथा ईंख अनुसन्धान संस्थान स्थापना दिवस, शैक्षिक परिषद की बैठक, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय कार्यशाला और पीजी स्टूडेंट्स कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया जो हमारी प्रतिबद्धता, कुशल टीम वर्क और कार्य के प्रति समर्पण की भावना को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय में कई नये कार्यक्रमों की श्रृंखला में, दिनांक 28 अप्रैल को पीजी स्टूडेंट्स कॉन्क्लेव-2024 का आयोजन, मुख्य अतिथि डॉ. एन.एस. राठौड़, पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं पूर्व-उप-महानिदेशक, कृषि शिक्षा प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नयी दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इसके साथ ही वर्ष 1923 में पूसा की इसी धरती पर पर कृषि में स्नातकोत्तर अध्ययन शुरू होने के 100वें वर्षगाँठ को भी मनाया गया। इस पीजी कॉन्क्लेव में तीनों केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, झाँसी और पूसा के स्नातकोत्तर छात्रों को सांझा मंच प्रदान किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने शिक्षा, अनुसंधान और प्रकाशन के उन्नत क्रिया कलापों पर प्रस्तुति दिया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर छात्रों के शोध कार्यों को एक "स्मारिका एवं सार-संक्षेप पुस्तक" के रूप में आईएसबीएन नंबर के साथ प्रकाशित एवं विमोचित किया गया।

एक और महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम “बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती एवं इसके महत्त्व” विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। माननीय राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में अवस्थित संविधान पार्क का औपचारिक उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में श्री दिनेश कुलकर्णी जी, संगठन महामंत्री, भारतीय किसान संघ, नई दिल्ली की गरिमामय उपस्थिति के साथ-साथ डॉ. ए.के. सिंह, माननीय कुलपति, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी; डॉ. आर.एस. चंदेल, माननीय कुलपति, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन ; डॉ. सी.के. टिम्बाडिया, माननीय कुलपति, गुजरात प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि विश्वविद्यालय, आनंद; श्री अतुल जैन, महासचिव दीनदयाल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के अलावा भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली के कई गणमान्य विद्वानों की उपस्थिति भी रही।

शैक्षणिक उत्कृष्टता को कृषि शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानक के बराबर लाने के लिए, विश्वविद्यालय ने 8 अप्रैल, 2024 को अपनी शैक्षिक परिषद की बैठक आयोजित की जिसमें विभिन्न अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों की उपस्थिति में कॉलेजों ने उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी भविष्य की रणनीतियों को प्रस्तुत किया।

ये उपलब्धियाँ हमारी श्रेष्ठ योजना, समन्वय और कार्यान्वयन को दर्शाती हैं जिसे ससमय पूर्ण करने हेतु मैं, विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

जय हिन्द !

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ **जवाहर नवोदय विद्यालय, बिरौली, समस्तीपुर के छात्रों ने दिनांक 4-5 अप्रैल, 2024 को मत्स्यिकी महाविद्यालय, ढोली का भ्रमण किया।** अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें हाई-टेक एक्वाकल्चर, रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस), बायोफ्लॉक तकनीक, तालाब की तैयारी और सजावटी मछली पालन" सहित एक्वाकल्चर में विभिन्न उन्नत तकनीकों से अवगत कराया गया।

➢ **दिनाँक 20-21 अप्रैल 2024 के दौरान विश्वविद्यालय के प्राकृतिक खेती महाविद्यालय(स्कूल ऑफ़ नेचुरल फार्मिंग) एवं स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत "बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती एवं इसके महत्व" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।** यह कार्यक्रम प्राकृतिक खेती फार्म डिज़ाइन, कृषि पारिस्थितिकी मानकों एवं प्रमाणन, विपणन, जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य एवं संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, पशु कल्याण एवं मानव संसाधन क्षमता निर्माण में वृद्धि के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के माननीय राज्यपाल महोदय श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर जी उपस्थित रहे। साथ ही चार कृषि विश्वविद्यालयो के कुलपतियों ने भी कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर देश भर से लगभग 380 विशेषज्ञों, विद्वानों, अतिथियों एवं प्राकृतिक खेती कर रहे कृषक बंधु भी सम्मिलित हुए।

उक्त अवसर पर माननीय कुलपति द्वारा प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में निरंतर अच्छा कार्य कर रहे 30 कृषक बंधुओ को सम्मानित किया गया।

➢ **कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा ने दिनांक 28 अप्रैल 2024 को पीजी स्टूडेंट्स कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक आयोजन किया।** कॉन्क्लेव की शोभा डॉ. एन.एस. राठौड़, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति और भा.कृ.अनु.प. में पूर्व उप-महानिदेशक, कृषि शिक्षा ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. पी.एस. पाण्डेय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के माननीय कुलपति ने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के छात्रों के साथ-साथ केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल और रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के 173 पीजी और पीएचडी के छात्रों, संकाय सदस्यों और अधिकारियो की सभा को संबोधित किया। डॉ. राठौड़ ने कृषि में डिजिटल उपकरणों के अनुप्रयोगों पर जोर दिया और छात्रों से कृषि समस्याओं के समाधान के लिए प्रासंगिक सार्थक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। डॉ. पाण्डेय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि छात्र किसी भी विश्वविद्यालय की रीढ़ होते हैं, और कृषि में चुनौतियों का समाधान करने के लिए उनका गुणवत्तापूर्ण शोध महत्वपूर्ण है। उन्होंने घोषणा की कि रा.प्र.के.कृ.वि में पीजी-कॉन्क्लेव एक वार्षिक कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. मयंक राय, अधिष्ठाता,कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., और डॉ. यू.के. बेहरा, निदेशक शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., ने सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर आरपीसीएयू जर्नल ऑफ स्टूडेंट रिसर्च एब्सट्रैक्ट (खंड 1) अंक-1 डॉ. उषा सिंह, डॉ. के.एल. भूटिया और डॉ. संगीता साहनी द्वारा तैयार किया गया। जिसमें 2023 के दौरान पीजी और पीएचडी के थीसिस के संकलित सार का भी उद्घाटन किया गया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों ने 25 अप्रैल 2024 को व्यवहारिक कक्षा (कृषि वानिकी) के लिए जैव विविधता पार्क, पूसा का भ्रमण किया। छात्रों ने विभिन्न पौधों की प्रजातियों और उनके आर्थिक, औषधीय और आध्यात्मिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

➢ **डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय और स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष** ने 3 अप्रैल 2024 को विद्यापति सभागर, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में आयोजित राजेंद्र शिशु सदन के वार्षिक समारोह में भाग लिया। स्कूल की स्थापना 1970 में विश्वविद्यालय की स्थापना के ठीक बाद 1972 में हुई थी। डॉ. पी.एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि.,, समारोह के मुख्य अतिथि रहे। स्कूल को मिडिल स्कूल तक अपग्रेड कर दिया गया है जिसमे छात्रों की संख्या 350 (2021) से बढ़कर 548 (2024) हो गई है तथा स्कूल ड्रॉपआउट<0.5% और इसकी जमा राशि >2 करोड़ रु. तक पहुंच गई है। स्कूल में नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बदलाव आ रहे हैं।

➢ **सीसीएस-एनआईएएम, जयपुर द्वारा 1 अप्रैल, 2024 को 'नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास' पर एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित :-** स्टार्टअप सेल एआईआईसी, रा.प्र.के.कृ.वि. द्वारा कृषि-स्टार्टअप शुरू करने (विकास रणनीतियाँ: मिथिला नेचुरल्स से प्रेरणा) पर एक ऑनलाइन वेबिनार 4 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया। जिसमें मिथिला नेचुरल्स के सीईओ और संस्थापक श्री मनीष आनंद ने अपनी फर्म में अपनाई गई विकास रणनीतियों को साझा किया। सीसीएस-एनआईएएम के सहायक प्राध्यापक अक्षय पाटीदार ने आपूर्ति श्रृंखला में हरित पैकिंग समाधान के महत्व पर जोर दिया।

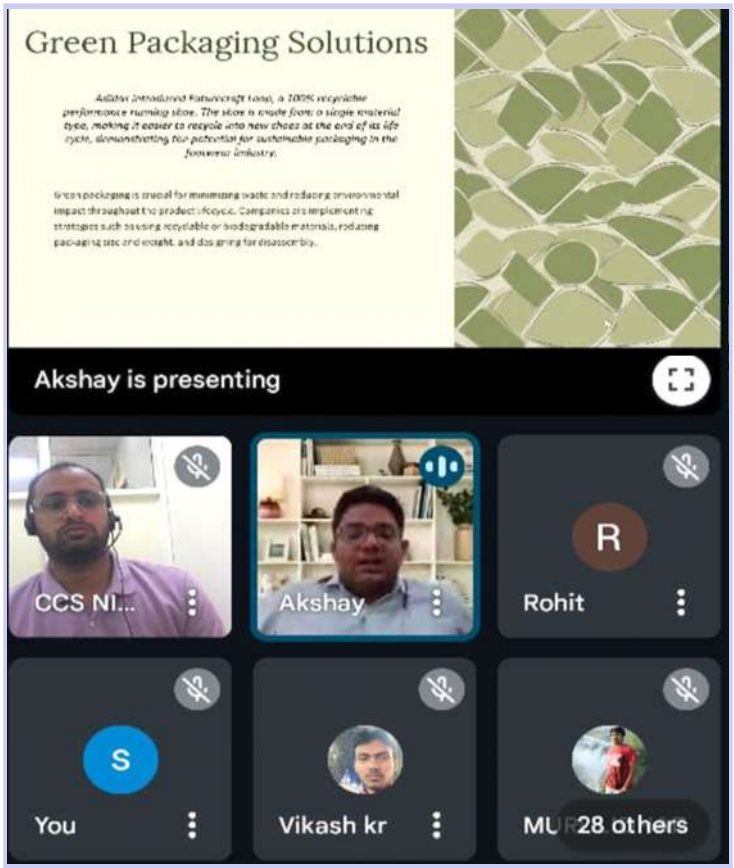

➢ **20 अप्रैल, 2024 को कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के छात्रों के लिए** "कृषि व्यवसाय के छात्रों के लिए उद्यमिता के अवसर" विषय पर प्रोफेसर रणजीत कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, एनएएआरएम, हैदराबाद के साथ एक बातचीत सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने छात्रों को हमेशा अनुसन्धान करके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

➢ **दिनांक 26 अप्रैल 2024 को उमा पाण्डेय कॉलेज, पूसा में "एक सफल स्टार्टअप कैसे बनें"** विषय पर संवेदनशीलता और जागरूकता अभियान पर एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। 50 से अधिक छात्र और संकाय सदस्य आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा रहे। छात्रों और उनके संकाय ने स्टार्टअप प्रक्रिया और पोर्टल पर पंजीकरण पर एआईआईसी टीम के साथ बातचीत की।

➢ **दिनाँक 29 अप्रैल, 2024 को "कृषि-स्टार्टअप (उद्यमिता) शुभारम्भ:** उद्यमिता यात्रा को साझा करने वाले बुनियादी विचार" पर एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया। वक्ता श्री चेतन पाण्डेय (ग्रील्थ एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड और गिव प्योर के संस्थापक; गायत्री सेवा संस्थान के सीईओ) ने अपने स्टार्टअप के साथ अपनी यात्रा, विशेष रूप से बाधाओं और विफलताओं और उनसे कैसे निपटा जाए, को साझा किया।

➢ **दिनाँक 30 अप्रैल, 2024 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में** "एग्री-स्टार्टअप शुरू करने पर संवेदनशीलता और जागरूकता अभियान कार्यान्वयन के लिए विचार" पर एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

➢ **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पीपराकोठी के वानिकी के छठे सेमेस्टर के छात्र श्री ऋषव कुमार ने पीजी छात्र कॉन्क्लेव में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।** उन्होंने "भारत में वन पुनर्जनन में यूएवी का भविष्य" विषय पर रिसर्च कॉन्सेप्ट प्रेजेंटेशन में यह स्थान हासिल किया है और 8वें सेमेस्टर बागवानी की छात्रा मिस पर्णा चटर्जी ने सीयूईटी (पीजी) 2024 में पहली रैंक हासिल है।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के अंतिम वर्ष के छात्र श्री आदित्य राज आनंद का चयन** CAT-2023 के माध्यम से 96.91 प्रतिशत अंको के साथ IRMA (आईआरएमए), आनंद, गुजरात में हुआ।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया:** दिनांक 20.04.2024 को विद्यापति सभागार में बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत प्राकृतिक खेती एवं इसका महत्व विषय पर कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। उद्घाटन सत्र में बिहार के महामहिम राज्यपाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर उद्यानिकी फसलों मक्का, कंद, मसाले तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के मूल्य संवर्धित उत्पाद प्रदर्शित किये गये।

➢ **डॉ. एन.एस. राठौड़, पूर्व उप-महानिदेशक, शिक्षा, भा.कृ.अनु.प. और पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर** ने दिनांक 28 अप्रैल, 2024 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के लैब, वर्चुअल क्लास रूम और इसके अन्य इकाइयों का भ्रमण किया। उन्होंने कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अंबरीश कुमार के साथ कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ संवाद किया। वे कृषि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के अच्छे काम और उपलब्धियों से काफी प्रभावित हुए और उनकी सराहना की।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **आमंत्रित व्याख्यान:** डॉ. एसपी सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर (मृदा विज्ञान) ने खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा 'नमक प्रभावित मिट्टी में फसल पोषण' विषय पर दिनांक 24 अप्रैल 2024 को नमक-प्रभावित मिट्टी के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क पर आयोजित वेबिनार में एक व्याख्यान दिया। उन्होंने उसी कार्यक्रम की पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भी भाग लिया।

➢ **नया स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित:** रा.पर.के.कृ.वि., पूसा की कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला में एक नया स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित किया गया है। इससे मौसम के आंकड़ों की सटीक रिकॉर्डिंग और जलवायु अनुसंधान के प्रगति में मदद मिलेगी।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम** के गोद लिए गांवों में मूंग की बुआई उपरांत किसानों को सलाह के साथ मूंग के अंकुरण की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया गया। कुल 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम; 170 किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए एक खेत दिवस और गेहूं की फसल कटाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत मूंग की खेती, लेजर भूमि समतलन के महत्व और बाजरा के महत्व पर किसानों के साथ चर्चा की गई।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर ने पोल्ट्री हैचरी इकाई शुरू की:** कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर ने पश्चिम चंपारण के ग्रामीण क्षेत्रों में मुर्गी पालन की मांगों को पूरा करने के लिए लेयर चूजों, बत्तखों और बटेर चूजों का उत्पादन करने के लिए एक हैचरी इकाई की स्थापना की। इकाई को 300 अंडों की क्षमता वाली 3 मशीनों के साथ संचालित किया जा रहा है, जिसमें 80% की कुल हैचिंग दर के साथ बत्तख, वनराजा चूजों और बटेर के अंडे का उत्पादन और निषेचन किया गया। अंडे सेने के बाद बत्तख और चूजों को आगे के पालन-पोषण के लिए बत्तख पालन और पोल्ट्री इकाई में रखा गया। कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर भविष्य में अंडे और मांस के उत्पादन के लिए छोटे स्तर के पोल्ट्री किसानों के लिए चूजों और बत्तखों की आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैज्ञानिक उत्कृष्टता

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि के निदेशक शिक्षा, डॉ. यू.के. बेहरा** ने दिनांक 02.04.2024 को मत्स्यिकी महाविद्यालय, ढोली का दौरा किया और स्नातकोत्तर छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ गहन चर्चा की।

➢ **डॉ. रमन त्रिवेदी, निदेशक, छात्र कल्याण, रा.प्र.के.कृ.वि,** ने दिनांक 27.04.2024 ने मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली का दौरा किया और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्होंने दिनकर छात्रावास का भी दौरा किया और छात्रों से छात्रावास की स्थिति के बारे में चर्चा की।

➢ **डॉ अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय** ने दिनाँक 20-21 अप्रैल 2024 के दौरान रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला - 'बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती और इसके महत्व ' में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में कृषि इंजीनियरिंग की भूमिका' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **व्यावसायिक प्रशिक्षण:** कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने 15 से 19 अप्रैल 2024 के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में पशु सखी के लिए हरा चारा उत्पादन तकनीक सह डेयरी फार्मिंग पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 पशु सखियों ने भाग लिया। इसी तरह ग्रीष्मकालीन सब्जी में कीट प्रबंधन के लिए नैदानिक सेवाएं सह किसानों का क्षेत्र दौरा भी 30 अप्रैल 2024 को बंदरा ब्लॉक के अंतर्गत तेपरी गांव में आयोजित किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी** द्वारा दिनाँक 15.04.2024 को पहाड़पुर प्रखंड के बनकट गांव में "सब्जी नर्सरी प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय ऑफ कैंपस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 31 कृषक महिलाएं उपस्थित रहीं।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज ने कुल 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए:** जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत गांवों में 170 किसानों की भागीदारी के साथ एक प्रक्षेत्र दिवस और गेहूं की फसल काटने का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत मूंग की खेती, लेजर भूमि समतलन के महत्व और बाजरा के महत्व पर किसानों के साथ चर्चा की गई । साथ ही मधुमक्खी पालन, कुरोइलर उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया और एससीएसपी कार्यक्रम के तहत 37 किसानों को कुरोइलर, 25 किसानों को 1000 पपीते के पौधे और अनुसूचित जाति समुदाय के 8 किसानों को आटा बनाने की मशीनें भी वितरित गई।

खेलकूद और अन्य गतिविधियाँ

➢ **आईडीपी पर कार्यशाला:** रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के शिक्षा निदेशक डॉ. यू.के बेहरा ने दिनांक 23 अप्रैल, 2024 को कौशल भवन, नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। नयी शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों पर चर्चा की गई। प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार, माननीय अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

• **दिनाँक 18 अप्रैल 2024 को, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर** के मैदान में वहां के शिक्षकों (डीन इलेवन) और छात्रों (छात्र इलेवन) के बीच एक क्रिकेट मैच खेला गया। डीन इलेवन ने 17 रन से मैच जीत लिया।

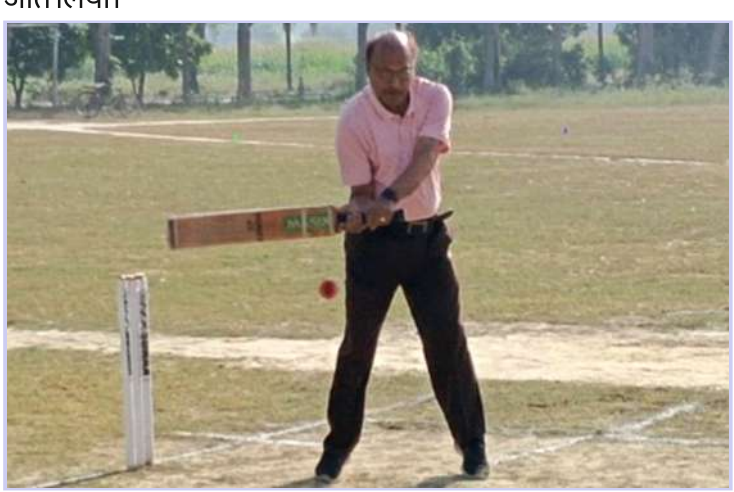

➢ **अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने एग्रीकल्चर प्रीमियर लीग (एपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया** जो 15 से 18 अप्रैल तक आयोजित किया गया, जिसमें 6 टीमों ने भाग लिया । फाइनल मुकाबला पाथो फाइटर्स और ब्रीडिंग बुल्स के बीच खेला गया, जिसमें पाथो फाइटर्स ने 25 रन से मैच जीत लिया। विजेता टीम के मैन ऑफ द मैच मानस महापात्र रहे जबकि मैन ऑफ द सीरीज सन्नी कुमार रहे। समापन सत्र के दौरान निदेशक,छात्र कल्याण, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा मुख्य अतिथि रहे।

➢ **दिनांक 18.04.2024 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय , पीपराकोठी** के छात्रों द्वारा रामनवमी की पूर्व संध्या पर भजन आराधना का सफल आयोजन किया गया तथा हनुमान जयंती के अवसर पर, महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन में माँ सरस्वती प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर
माननीय राज्यपाल, बिहार ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री दिनेश कुलकर्णी
राष्ट्रीय संगठन सचिव, भारतीय किसान संघ, नई दिल्ली ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. ए.के. सिंह
कुलपति, आरएलबीसीएयू, झाँसी ने
दिनाँक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. आर.एस. चंदेल
डॉ वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. सी.के. टिम्बाडिया
गुजरात प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि विश्वविद्यालय, आनंद ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री अतुल जैन
महासचिव, दीनदयाल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने
दिनांक 20-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. एन.एस. राठौड़
पूर्व-कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं पूर्व- उपमहानिदेशक,कृषि शिक्षा प्रभाग, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने
दिनांक 28-04-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **डॉ. रमन कुमार त्रिवेदी** ने बी.एफ.एससी. और एम.एफ.एससी. की उपाधि यूएएस, बैंगलोर से और पीएच.डी. राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर से ली । उनके पास 33 वर्षों का स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण अनुभव है। उनकी अनुसंधान रुचि का प्रमुख क्षेत्र लिम्नोलॉजी, एक्वेटिक एनवायरनमेंट मैनेजमेंट एवं क्लिमटिक चेंज अडॉप्टेशन पर आधारित है। उन्होंने दिनाँक 01.04.2024 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार में निदेशक छात्र कल्याण के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने 10 वर्षों से अधिक समय तक वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ एनिमल एंड फिशरी साइंसेज, कोलकाता में जलीय पर्यावरण प्रबंधन विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य किया है । वह बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण के रूप में छात्र प्रबंधन कार्यक्रमों से निकटता से जुड़े थे। उन्होंने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 50 से अधिक शोध प्रकाशित किये हैं, इसके अलावा उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी में कई शोध-पत्र प्रस्तुत किए हैं। डॉ. त्रिवेदी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भी की है। उन्होंने 2 पुस्तकें संपादित की हैं और 5 पुस्तक अध्याय एवं तकनीकी रिपोर्टें लिखी हैं साथ ही 20 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। उन्होंने छह भा.कृ.अनु.प. और एमओईएफ अनुसंधान परियोजना में मुख्य अन्वेषक और सह- अन्वेषक के रूप में कार्य किया है । डॉ. त्रिवेदी ने "पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों के लिए जलवायु अनुकूल जलकृषि रणनीति" के लिए एक प्रोटोकॉल भी विकसित किया है।

सेवानिवृति समारोह

➢ दिनांक 30 अप्रैल, 2024 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारी का विदाई समारोह माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया।

1. **डॉ0 बिनोद कुमार सिंह**
   वरीय तकनिकी पदाधिकारी, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली

संपादक - मंडल

संरक्षकः
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादकः
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादनः
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोगः
श्री मनीष कुमार

प्रकाशकः
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in